उद्घाटन भाषण*

दुव्वुरी सुब्बाराव

आदरणीय मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार, श्री एस.वी. रंगनाथ और दोस्तों

मैं यहां पर कर्नाटक सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर बहुत खुश हूँ। पिछले एक वर्ष के दौरान हमने भारतीय रिज़र्व बैंक के प्लैटिनम जुबिली समारोह के एक अंग के रूप में पूरे देश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये हैं। बंगलूरू में इस दोपहर में इस समारोह का आयोजन सर्वाधिक खुशी भरने वाला है। बच्चों को वित्तीय विषयों पर बात करते हुए सुनना विशेषरूप से गर्मजोशी भरा रहा। पहली बार मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि हम वित्तीय साक्षरता के संबंध में एक जबर्दस्त शुरुआत कर रहे हैं। हमारे माननीय वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बी.येदियुरप्पा ने इस कार्यक्रम में भाग लेने के प्रति गहरी रुचि दर्शायी है।

2. पिछले वर्ष मैं जब मई में रिज़र्व बैंक के केन्द्रीय निदेशक मंडल की बैठक में भाग लेने आया था, मुझे मुख्यमंत्री येदियुरप्पा से मिलने का अवसर मिला। तब मैंने उन्हें रिज़र्व बैंक की भूमिका और उत्तरदायित्वों से अवगत कराया था। मैंने वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन के संबंध में रिज़र्व बैंक के प्रयासों के बारे में भी उन्हें बताया था। मुख्यमंत्री ने इसमें बहुत रूचि दिखाई और अनुरोध किया कि हम कर्नाटक को अपनी प्रारंभिक पहलों को शुरू करने के लिए एक प्रायोगिक राज्य बनायेंगे और उन्होंने इस प्रयोजन हेतु कर्नाटक सरकार का पूरा सहयोग देने का वादा किया। पिछले आठ महीनों के दौरान रिज़र्व बैंक ने कर्नाटक सरकार के साथ अनेक पहलों के संबंध में कदम-से-कदम मिलाकर कार्य किया। आज का यह समारोह इन प्रयासों की परिणति है।

3. आज स्पष्ट रूप से हम तीन कार्यक्रम कर रहे हैं;

(i) पहला कार्यक्रम है, कक्षा पांच, सात और नौ की कक्षाओं के लिए पाठ्य पुस्तकें जारी करना जिसमें

* वित्तीय साक्षरता प्रदान करने पर भारतीय रिज़र्व बैंक - ओईसीडी कार्यशाला : बंगलूरू , कर्नाटक में वित्तीय साक्षरता पर भारतीय रिज़र्व बैंक और कर्नाटक सरकार का संयुक्त समारोह : 22 मार्च 2010. (कन्नड़ भाषा में दिए गए गवर्नर महोदय के भाषण का अंग्रेजी रू पांतर)

वित्त विषय से संबंधित पाठों का समावेश है;

(ii) दूसरा कार्यक्रम है, इलेक्ट्रॉनिक लाभ एवं आय अंतरण (ईबीआइटी) योजना की शुरुआत;

(iii) तीसरा कार्यक्रम है, कर्नाटक राज्यों के स्कूलों और विद्यालयों के बीच आयोजित की गयी भारतीय रिज़र्व बैंक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के राज्यव्यापी विजेताओं को पुरस्कारों का वितरण।

4. अब मुझे इन तीनों कार्यक्रमों के बारे में कुछ शब्द कहने हैं।

5. रिज़र्व बैंक गहराती हुई वित्तीय साक्षरता को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है। इसका अर्थ यह है कि स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों को वित्तीय अवधारणाओं के बारे में मौलिक दक्षता प्राप्त करनी चाहिए। यह जरूरी क्यों है? यह आपके लिए एक व्यक्ति के रूप में और समग्र रूप में पूरे देश के लिए दोनों तरह से महत्वपूर्ण है। जब बच्चे बढ़ते हैं और कमाने लगते हैं तो उन्हें अपने विकल्प मालमू होने चाहिए - कब और कहां बचत करनी चाहिए, किस प्रकार और कितनी बचत करनी चाहिए। केवल जब आप अपने विकल्पों का मूल्यांकन कर सकेंगे, तभी आप एक जिम्मेदार वयस्क बन सकेंगे। यह समग्र स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। जब आप बचत करते हैं तो आपका धन सरकार और निजी क्षेत्र की अन्य संस्थाओं को निवेश हेतु उपलब्ध हो जाता है और वही निवेश हमारी वृद्धि दर बढ़ाता है और रोज़गार पैदा करता है। मैं चाहता हूँ कि आपके सभी स्कूली बच्चे और कॉलेज के छात्र अच्छी तरह से अध्ययन करें और विशेषरूप से वित्त की दुनिया को समझने का प्रयास करें। मैं कर्नाटक सरकार के शिक्षा विभाग से भी अनुरोध करता हूँ कि वह एक वर्ष के बाद इस वित्त पाठ्यक्रम की शुरुआत का मूल्यांकन करें। आपकी प्रतिसूचना के आधार पर हम यहां कर्नाटक और अन्य सभी राज्यों, दोनों में पाठों और अनुदेश सामग्री में सुधार कर सकते हैं।

6. आइये अब हम वित्तीय साक्षरता के बारे में और अधिक जानें। बहुत से गावों में अभी भी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। हमारे देश के लगभग 6 लाख गावों में से 5.7 लाख गावों में अभी भी कोई बैंक शाखा नहीं है। पर जल्द-से-जल्द इन गावों में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस प्रयोजन हेतु नो-फ्रिल खाते खोलने के लिए टॅक्नोलॉजी का उपयोग किया जाना चाहिए। गांव वालो में से एक गांव वाले को बैंकिंग संवाददाता के रूप में नियुक्त करके द्वार पर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकती हैं। नो-फ्रिल खातेदारों को बायोमीट्रिक स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराया जा सकता है। बायोमीट्रिक स्मार्ट कार्ड में खातेदार की फोटो और उंगली के निशान डाले जाने चाहिए इससे जमाकर्ता द्वारा किये गये लेन-देन की पावती मिलती है। उनके रोज के लेन-देन टेलिफोन अथवा इंटरनेट किसी के भी माध्यम से बैंक शाखा को अपलोड किये जा सकते हैं। सरकारी योजनाओं के लाभ सीधे और तेजी से इन नो-फ्रिल खातों में जमा किये जा सकते हैं। यह कर्नाटक के 6 जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है जिसका लक्ष्य इसे पूरे देश में लागू करना है।

7. हमने स्कूली बच्चों के बीच वित्तीय साक्षरता में सुधार के लिए पाठ्यचर्या और गैर-पाठ्यचर्या का आयोजन किया है। कर्नाटक सरकार के शिक्षा विभाग ने हमारे सुझावों के अनुसार वर्ष 2010-11 के लिए हायस्कूल की पाठ्य पुस्तकें संशोधित की है। पाठ्येत्तर गतिविधियों के एक अंग के रूप में हमने राज्यस्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया है। लगभग 6,100 स्कूलों और 3,000 कॉलेजों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। हमें स्कूली बच्चों से इसके लिए शानदार प्रतिक्रिया मिली। बैंकिंग और रिज़र्व बैंक के बारे में बच्चों के ज्ञान ने हमें आश्चर्यचकित कर दिया है। मुझे विश्वास है कि इस दिशा

में किये गये प्रयासों ने देश के भावी नागरिकों के लिए पूर्णतः वित्तीय साक्षर बनने की एक सुदृढ़ नींव रखी है।

8. अपना भाषण समाप्त करने से पहले मैं रिज़र्व बैंक की ओर से माननीय वित्त मंत्री, श्री प्रणब मुखर्जी को वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन के लिए उनके अत्यंत जोरदार और उत्साहपरक समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ और मुख्यमंत्री येदियुरप्पा द्वारा उनके नेतृत्व में कर्नाटक सरकार द्वारा प्रदत्त सहयोग के लिए उन्हें भी धन्यवाद देता हूँ।